Adda247

GET IT ON Google Play

राजकीय इण्टर कालेज प्रवक्ता परीक्षा, 2017

इतिहास

(अध्यायवार व्याख्यात्मक हल प्रश्न-पत्र)

[परीक्षा तिथि 23-09-2018]

1. निम्नलिखित को कालक्रम के अनुसार लगाइयें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिएः

1. केन्द्रीय एसेम्बली में बम का फेंका जाना
2. साण्डर्स का मारा जाना
3. सरदार भगत सिंह को फाँसी दिया जाना
4. चन्द्रशेखर आजाद की मृत्यु

कूटः

(a) 2, 3, 4, 1 (b) 3, 2, 1, 4
(c) 2, 1, 4, 3 (d) 4, 3, 2, 1

Ans. (c) : सान्डर्स हत्याकाण्ड 1928 ई. में हुई थी। भगत सिंह ने सान्डर्स को गोली मारी थी। 8 अप्रैल 1929 ई. को भगत सिंह एवं बटुकेश्वर दत्त द्वारा केन्द्रीय विधानसभा में ट्रेड डिसप्यूट बिल और पब्लिक सेफ्टी बिल के विरोध में बम फेंका। 27 फरवरी 1931 ई. को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में चन्द्रशेखर आजाद ने अंग्रेजों से घिर जाने के कारण स्वयं को गोली मारी। 23 मार्च 1931 ई. को भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरू को फाँसी दे दी गयी।

2. 1881 का प्रथम फैक्ट्री अधिनियम मुख्यतः सम्बन्धित था

(a) बाल मजदूर से
(b) स्त्री मजदूर से
(c) वयस्क पुरुष मजदूर से
(d) दुर्घटना की स्थिति में मजदूरों को क्षतिपूर्ति से

Ans. (a) : प्रथम कारखाना अधिनियम 1881 बाल मजदूरों से सम्बन्धित था। यह अधिनियम लॉर्ड रिपन के कार्यकाल में लाया गया। इसके अन्तर्गत बालश्रम को प्रतिबन्धित करने का प्रयास किया गया। इसमें सात वर्ष से कम आयु के बच्चों को कारखाने में रखने पर प्रतिबन्ध लगाया गया। इसके साथ ही 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से 9 घण्टे से अधिक कार्य लिए जाने को प्रतिबन्धित किया गया। बच्चों को महीने में कम से कम चार अवकाश अनिवार्य बना दिया गया।

3. किसने राष्ट्र को चतुर्मुखी कार्यक्रम बहिष्कार, स्वदेशी, स्वराज और राष्ट्रीय शिक्षा दिए?

(a) दादाभाई नौरोजी (b) महात्मा गांधी
(c) अरबिन्दो घोष (d) बाल गंगाधर तिलक

Ans. (d) : चतुर्मुखी कार्यक्रम बहिष्कार, स्वदेशी, स्वराज, राष्ट्रीय शिक्षा उग्रवादी नेता बाल गंगाधर तिलक ने दिया था। तिलक का विचार था कि ''स्वराज, स्वदेशी, बहिष्कार' इसको अपनाकर ही भारत को स्वतन्त्र कराया जा सकता है। तिलक ने कहा कि ''भारत की राजनीतिक मुक्ति अनुनय एवं विनय और निवेदनों से न होकर दृढ़ कथन एवं प्रत्यक्ष-कार्यवाही से ही सम्भव है। अतः राजनीतिक अधिकारों के लिए लड़ना ही पड़ेगा।

4. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार लगाते हुए नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिएः

1. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन
2. डाण्डी मार्च
3. पूना पैक्ट
4. गांधी इरविन समझौता

कूटः

(a) 4, 2, 1, 3 (b) 2, 4, 1, 3
(c) 2, 1, 3, 4 (d) 3, 4, 2, 1

Ans. (b) : दाण्डी मार्च (12 मार्च से 6 अप्रैल 1930) ई. गांधी जी ने शुरू किया था। गांधी जी ने 24 दिनों में 78 अनुयायियों के साथ 385 किमी. यात्रा करके नमक कानून तोड़ा। गांधी इर्विन समझौता 5 मार्च 1931 ई. को हुआ। यह समझौता गांधी जी को द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में शामिल होने के लिए किया गया था। द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 7 सितम्बर 1931 ई. को प्रारंभ हुआ था। पूना पैक्ट 26 सितम्बर, 1932 ई. में हुआ था।

5. डाण्डी कहाँ पर स्थित है?

(a) वलसाड (b) नवसारी
(c) पोरबन्दर (d) भावनगर

Ans. (b) : डाण्डी गुजरात के नवसारी जिले में है। डाण्डी एक गांव का नाम था। जहाँ गांधी जी 6 अप्रैल 1930 ई. को पहुँचकर एक मुट्ठी नमक हाथ में उठाकर नमक कानून का उल्लंघन किया था। गांधी जी ने डाण्डी से ही 9 अप्रैल 1930 ई. को इस आन्दोलन के कार्यक्रम की घोषणा की थी।

6. हण्टर कमीशन में विकास पर विशेष बल दिया गयाः

(a) प्राथमिक शिक्षा के (b) उच्च शिक्षा के
(c) माध्यमिक शिक्षा के (d) तकनीकी शिक्षा के

Ans. (a) : हन्टर कमीशन का सम्बन्ध प्राथमिक शिक्षा से था। लॉर्ड रिपन ने 1882 में डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर की अध्यक्षता मे इस आयोग का गठन किया गया था। इसके अन्तर्गत प्राथमिक शिक्षा के विकास और सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाय और शिक्षा स्थानीय भाषा या मातृभाषा में दिया जाए। उसका नियन्त्रण जिला और नगर बोर्डों को सौंपा जाए। इस पर शिक्षा उपकर भी लगाया जा सकता है। हण्टर कमीशन माध्यमिक शिक्षा पर भी अपना सुझाव दिया।

7. कार्लाइल सर्कुलर सम्बन्धित हैः

(a) असहयोग आन्दोलन से
(b) सविनय अवज्ञा आन्दोलन से
(c) भारत छोड़ो आन्दोलन से
(d) बंगाल विभाजन विरोधी आन्दोलन से

Adda247

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

80,000+
Mock Tests

Personalised
Report Card

Unlimited
Re-Attempt

600+
Exam Covered

20,000+ Previous
Year Papers

500%
Refund

IBPS

NABARD

ATTEMPT FREE MOCK NOW

Adda247 GET IT ON Google Play

Ans. (d) : कार्लाइल सर्कुलर का सम्बन्ध बंगाल विभाजन विरोधी आन्दोलन से था। बंगाल के मुख्य सचिव आर. डब्ल्यू. कार्लाइल द्वारा सरकारी एवं सरकार द्वारा सहायता प्राप्त विद्यालयों एवं कॉलेजों के छात्रों को बंग-भंग विरोधी आन्दोलन में शामिल होने से रोकने के लिए जारी किया गया था। बहिष्कार तथा स्वदेशी आन्दोलन को मजबूत करने के लिए स्वयंसेवकों को संगठित किया गया तथा जन समितियां बनाई गयी। परिणामस्वरूप ब्रिटिश सरकार इस आन्दोलन को दबाने के लिए 22 अक्टूबर 1905 को कार्लाइल सर्कुलर निकाला।

8. पुस्तक 'ऐट द फीट ऑफ महात्मा गांधी' के लेखक थे:
(a) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(b) पण्डित जवाहरलाल नेहरू
(c) आचार्य विनोवा भावे
(d) सरदार वल्लभ भाई पटेल

Ans. (a) : 'ऐट द फीट आफ महात्मा गांधी' नामक पुस्तक के लेखक डा. राजेन्द्र प्रसाद थे। राजेन्द्र प्रसाद स्वतन्त्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। इन्होंने गांधी जी से प्रभावित होकर इस पुस्तक को लिखा था। इसमें गांधी जी के भारत को स्वतन्त्रता दिलाने में कर्त्तव्यों का वर्णन है। 'इंडिया डिवाइडेड' राजेन्द्र प्रसाद की प्रमुख कृति है।

9. 'द स्टोरी आफ द इण्टीग्रेशन आफ द इण्डियन स्टेट्स' पुस्तक के लेखक कौन है?
(a) आर. सी. मजुमदार (b) के. के. दत्ता
(c) एस. आर. मेहरोत्रा (d) वी. पी. मेनन

Ans. (d) : द स्टोरी आफ द इण्टीग्रेशन आफ द इण्डियन स्टेट्स नामक पुस्तक के लेखक वी. पी. मेनन हैं। इस पुस्तक का प्रकाशन 1955 ई. में लन्दन स्थित लांगमैन प्रकाशन द्वारा किया गया था।

10. बंगाल में 'धर्मसभा' का संस्थापक कौन था?
(a) राम मोहन रॉय (b) राधाकान्त देव
(c) देवेन्द्र नाथ टैगोर (d) केशव चन्द्र सेन

Ans. (b) : बंगाल में 'धर्मसभा' का संस्थापक राधाकांत देव थे। राधाकांत देव 1830 ई. में धर्मसभा की स्थापना किये थे। इसका मुख्यालय कलकत्ता में था। राधाकांत देव सती प्रथा का समर्थन किये थे। राजाराम मोहन राय द्वारा प्रतिपादित ब्रह्म समाज का विरोध किये थे। राधाकांत देव ने 'ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन' के संस्थापक सदस्य थे। इन्होने 'शब्दकल्पद्रुम' नामक संस्कृत शब्दकोश की रचना किया था।

11. निम्नलिखित में से कौन 'बॉम्बे क्रॉनिकल' का प्रकाशन किया था?
(a) बेंजामिन गाइ हार्निमैन (b) सी.एफ. एंड्रयूज
(c) फिरोज शाह मेहता (d) एम. जी. रानाडे

Ans. (c) : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता फिरोज शाह मेहता ने 1913 ई. में मुम्बई से 'बॉम्बे क्रॉनिकल' का प्रकाशन किया। जिसके संपादक बी. जी. हार्निमन थे। ध्यातव्य है कि सूरत विभाजन के बाद उदारवादी विचारों को जनता तक पहुँचाने के लिए इसकी स्थापना की गयी थी। फिरोजशाह मेहता पारसी धर्म से सम्बन्ध रखते थे।

12. अखिल भारतीय कर्मचारी एवं विकास दल कब अस्तित्व में आया?
(a) 1926 ई. में (b) 1928 ई. में
(c) 1930 ई. में (d) 1931 ई. में

Ans. (b) : अखिल भारतीय कर्मचारी एवं विकास दल की स्थापना 1928 ई. में किया गया। इसमें सभी प्रान्तीय दलों को शामिल किया गया। इसका प्रथम अधिवेशन कलकत्ता में हुआ। जिसकी अध्यक्षता सोहन लाल जोशी ने किया। 1945 ई. में इसका अस्तित्व पुनः सक्रिय होने पर कांग्रेस ने 1947 ई. में इसमें से निकलकर 'इण्डियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना की।

13. 'आजाद हिन्द फौज' का प्रथम सेनापति कौन था?
(a) एस. सी. बोस (b) रास बिहारी बोस
(c) कैप्टन मोहन सिंह (d) उपरिलिखित में कोई नहीं

Ans. (c) : आजाद हिन्द फौज के प्रथम सेनापति कैप्टन मोहन सिंह थे। 28 से 30 मार्च 1942 को टोक्यो में भारतीयों का एक सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें कैप्टन मोहन सिंह, रासबिहारी बोस एवं निरंजन सिंह गिल के सहयोग से भारतीय राष्ट्रीय सेना [I.N.A.] का गठन हुआ। रासबिहारी बोस इसके प्रथम अध्यक्ष थे।

14. 'प्राचीन स्मारक परिरक्षण अधिनियम' किस वायसराय के काल में पारित हुआ था?
(a) लॉर्ड हार्डिंग (b) लॉर्ड लिटन
(c) लॉर्ड कर्जन (d) लॉर्ड नार्थब्रक

Ans. (c) : प्राचीन स्मारक परिरक्षण (संरक्षण) अधि. लार्ड कर्जन के शासन काल में पारित हुआ। इसकी स्थापना 1904 ई. में हुई थी। इसके आधार पर एक पुरातत्व विभाग की स्थापना की गयी तथा इसके लिए 50,000 पाउंड धनराशि की व्यवस्था की गयी।

15. द्वितीय आंग्ल- मैसूर युद्ध की समाप्ति हुई:
(a) मंगलौर की सन्धि से (b) मद्रास की सन्धि से
(c) श्रीरंगापट्टम की सन्धि से (d) टीपू सुल्तान की मृत्यु से

Ans. (a) : द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध की समाप्ति मंगलौर की संधि के बाद हुआ। यह संधि 1784 ई. में अंग्रेज गवर्नर लार्ड मैकार्टनी और टीपू के बीच हुआ। इस सन्धि द्वारा दोनों पक्षो ने एक दूसरे के जीते हुए प्रदेश को लौटा दिये। यह सन्धि टीपू के लिए एक कूटनीतिक सफलता थी। बंगाल का गर्वनर वारेन हेस्टिंग्स इस संधि को पसन्द नहीं किया।

16. भारतीय सांस्कृतिक पुनर्जागरण की मुख्य विशेषता थी:
(a) दार्शनिक विचारधारा का विकास
(b) नई क्षेत्रीय भाषा का जन्म
(c) शोध आधारित विगत इतिहास एवं पुरातत्व का अध्ययन
(d) लेखन के अन्य स्वरुपों के स्थान पर उपन्यास का विकास

Ans. (b) : भारतीय सांस्कृतिक पुनर्जागरण की मुख्य विशेषता नयी क्षेत्रीय भाषा का जन्म होना माना जाता है। क्योंकि पुनर्जागरण की वजह से भारत के कोने-कोने से विभिन्न पत्रिकाओं की शुरूआत हुई और लोग अंग्रेजों के खिलाफ अपनी आवाज पहुंचाने के लिए समाचारों व पत्रिकाओं को माध्यम चुना।

17. इण्डियन नेशनल कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष कौन थीं?
(a) सरोजनी नायडू (b) ऐनी बेसेण्ट
(c) सुचेता कृपलानी (d) मैडम कामा

Adda247 GET IT ON Google Play

Ans. (b) : इण्डियन नेशनल कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष ऐनी बेसेन्ट थी। कांग्रेस का 32वां अधिवेशन 1917 ई. में कलकत्ता में आयोजित हुआ। जिसकी अध्यक्षता ऐनी बेसेन्ट ने की थी। सर्वप्रथम तिरंगे झण्डे को इसी सम्मेलन में कांग्रेस ने अपनाया था। सरोजनी नायडू (प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष) 1925 ई. में कानपुर में आयोजित कांग्रेस की अध्यक्षता की थी।

18. किस घटना के बाद रवीन्द्र नाथ टैगोर ने नाइटहुड की उपाधि को त्याग दिया था?

(a) प्रथम विश्वयुद्ध का प्रारम्भ होना
(b) जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड
(c) भारत में साइमन कमीशन का आगमन
(d) बंगाल का विभाजन

Ans. (b) : रवीन्द्र नाथ टैगोर ने जालियाँवाला बाग हत्याकाण्ड के बाद अपनी नाइटहुड की उपाधि वापस कर दी थी। जालियाँवाला बाग हत्याकाण्ड 13 अप्रैल 1919 ई. की घटना है। डा. सत्यपाल एवं डा. सैफुद्दीन किचलू को सरकार बिना कारण ही गिरफ्तार कर ली थी। इसी का विरोध करने के लिए 13 अप्रैल 1919 ई. को वैशाखी की दोपहर जलियाँवाला बाग में एक सभा का आयोजन किया गया था। जनरल डॉयर ने सभा पर अंधाधुंध गोली चलवा दिया जिसमें लगभग 1000 लोग मारे गये थे।

19. निम्नलिखित स्थानों में से किसमें 'थियोसॉफिकल सोसाइटी' के मुख्यालय की स्थापना की गई थी?

(a) अड्यार (b) कलकत्ता
(c) लखनऊ (d) पूना

Ans. (a) : 'थियोसॉफिकल सोसाइटी' का मुख्यालय अड्यार में था। थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना 1875 ई. में मैडम एच. पी. ब्लावाट्स्की द्वारा न्यूयार्क में की गयी जो एक रूसी महिला थी। 1879 ई. में इसका प्रधान कार्यालय न्यूयार्क से मुम्बई स्थानान्तरित किया गया। 1882 ई. में पुनः इन्होंने अपनी सोसाइटी का अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय मद्रास के समीप अड्यार में स्थापित किया।

20. 1905 ई. में सर्वेण्ट्स ऑफ इण्डिया सोसाइटी की स्थापना हुई थी:

(a) सतारा में (b) कोल्हापुर में
(c) पूना में (d) सूरत में

Ans. (c) : 1905 ई. में सर्वेंट्स ऑफ इण्डिया सोसायटी की स्थापना पूना में हुई थी। इसके संस्थापक गोपालकृष्ण गोखले थे। यह एक ऐसी सोसाइटी थी जिसमे विभिन्न धर्मों के लोग शामिल थे और अपनी मातृभूमि के लिए किसी न किसी रूप में सेवा करने के लिए समर्पित थे।

21. 1857 के विद्रोह के नेता जिन्हें पकड़ा गया व फाँसी पर चढ़ा दिया गया था:

(a) तात्या टोपे (b) नाना साहब
(c) रानी लक्ष्मीबाई (d) कुँवर सिंह

Ans. (a) : 1857 के विद्रोह में तात्या टोपे को पकड़ा गया और फांसी पर चढ़ा दिया गया था। कानपुर में नाना साहब की ओर से लड़ने की मुख्य जिम्मेदारी तात्या टोपे की थी। इनका मूल नाम रामचन्द्र पांडुरंग था। सिन्धिया के सामन्त मानसिंह ने अप्रैल 1859 ई. में धोखे से इनकों अंग्रेजों से पकड़वा दिया था। 1859 ई. में ग्वालियर में इनको फांसी पर चढ़ा दिया गया।

22. राजा रणजीत सिंह ने विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा प्राप्त किया था:

(a) नादिरशाह से (b) जमानशाह से
(c) दोस्त मुहम्मद से (d) शाहशुजा से

Ans. (d) : 1809 ई. में शाहशुजा ने काबुल की गद्दी प्राप्त करने के लिए रणजीत सिंह से सहायता मांगी और 1831 ई. में उन्हें कोहिनूर हीरा भेंट किया। बाद में शाहशुजा कम्पनी के नियन्त्रण में आ गया और लुधियाना में रहने लगा।

23. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में कहाँ पर 'असहयोग के विचार का उद्भव हुआ?

(a) 1920 के बम्बई के खिलाफत सम्मेलन में
(b) 1918 के खेड़ा सत्याग्रह में
(c) 1928 के बारदोली सत्याग्रह में
(d) 1917 के चम्पारण सत्याग्रह में

Ans. (*) : भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में असहयोग आन्दोलन के विचार का आह्वान नवंबर 1919 ई. में दिल्ली में हुई 'ऑल इण्डिया खिलाफत कॉन्फ्रेंस' में सर्वप्रथम हुआ था। असहयोग में कौंसिलों और सेवाओं का बहिष्कार करना शामिल था। खिलाफत कमेटी के नेता हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए बेहद उत्सुक थे। आगे चलकर सितम्बर 1920 में कलकत्ता अधिवेशन में असहयोग आन्दोलन स्वीकार किया गया। दिसम्बर 1920 नागपुर विशेष अधिवेशन में अध्यक्ष सी.आर. दास द्वारा असहयोग आन्दोलन को अंतिम रूप में पारित किया गया।

24. निम्नलिखित में से किसने सती प्रथा को समाप्त किया?

(a) लार्ड डलहौजी (b) लार्ड विलियम बैंटिक
(c) लार्ड कार्नवालिस (d) लार्ड वेलेजली

Ans. (b) : गवर्नर जनरल लार्ड विलियम बैंटिक के समय में 1829 ई. के नियम 17 (XVII) द्वारा सती प्रथा को समाप्त कर दिया गया। इस नियम के पारित करवाने में राजा राम मोहन राय का महत्वपूर्ण योगदान था। राधाकांत देव ने 1830 ई. में धर्मसभा की स्थापना करके सती प्रथा का समर्थन किया था।

25. निम्नलिखित में से कौन उपनिषदों में उल्लिखित कैकेय जनपद का एक दार्शनिक राजा था?

(a) जाबालि प्रवहण (b) जमदग्नि
(c) श्रुतसेन (d) अश्वपति

Ans. (d) : उपनिषदों में कई राजाओं के नामों का उल्लेख है जैसे कैकेय के अश्वपति। इसमें कैकेय जनपद का राजा अश्वपति दार्शनिक था। छांदोग्य उपनिषद में उल्लिखित है कि उद्दालक, आरूणि, पंचाग्नि एवं वैश्वानर शिक्षा प्राप्त करने के लिए कैकेय नरेश अश्वपति के पास गये थे।

26. निम्नलिखित में से किसे 'निरुक्त' का प्रणेता कहा गया है?

(a) बादरायण (b) यास्क
(c) पतंजलि (d) पाणिनि

Ans. (b) : यास्क ने निरूक्त की रचना की थी। ई.पू. पांचवी सदी में इसकी रचना की गयी थी। इसमें शिक्षा से सम्बन्धित नियम कानून दिये गये थे। इस ग्रन्थ में ही वैदिक शब्दों की व्युत्पत्ति की विवेचना है। इसमें वैदिक से सम्बन्धित विषयों का वर्णन किया गया है।

Adda247 GET IT ON Google Play

27. ऋग्वेद का नदी सुक्त किस मण्डल में है?
(a) प्रथम मण्डल (b) तृतीय मण्डल
(c) षष्ठ मण्डल (d) दशम मण्डल

Ans. (d) : ऋग्वेद में नदी सूक्त का वर्णन दशम मण्डल में किया गया है। ऋग्वेद के प्रथम और दसवाँ मण्डल सबसे नवीन मण्डल माना जाता है। ऋग्वेद में सर्वाधिक उल्लेख सिन्धु नदी का हुआ है। ऋग्वेद की सबसे पवित्र नदी सरस्वती नदी है इसे नदीतमा, अम्बेतमा कहा जाता है।

28. अग्निपूजा के साक्ष्य हड़प्पा संस्कृति के किस स्थल से मिले हैं?
(a) कालीबंगा (b) राखीगढ़ी
(c) हड़प्पा (d) रंगपूर

Ans. (a) : हड़प्पा संस्कृति में अग्नि पूजा के साक्ष्य कालीबंगा से मिले हैं। कालीबंगा राजस्थान में है। स्वतन्त्रता के बाद खोजा गया यह प्रथम पुरास्थल है। इसकी खोज 1953 ई. में अमलानंद घोष ने की थी। कालीबंगा की खुदाई से प्राक् सिन्धु सभ्यता से सम्बन्धित प्रमाण मिले हैं। यहाँ से दो फसलों को एक साथ बोने के प्रमाण मिले है।

29. प्रागैतिहासिक चित्रकला के उदाहरण मिले है:
(a) अजन्ता की गुफाओं में
(b) बाघ की गुफाओं में
(c) एलोरा की गुफाओं में
(d) भीमबेटका के शैलाश्रयों में

Ans. (d) : प्रागैतिहासिक चित्रकला के उदाहरण भीमबेटका के शैलाश्रयों से मिले हैं। शैलाश्रय का आशय है पर्वत की गुफाओं में मानव की बसावट। भीमबेटका का शैलाश्रय सबसे प्रसिद्ध शैलाश्रय है। इसे यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में सम्मिलित किया गया है। यह मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित है।

30. मराठा प्रशासन में गाँव का लेखपाल कहलाता था:
(a) देसाई (b) कुलकर्णी
(c) सिलेदार (d) पटेल

Ans. (b) : मराठा प्रशासन में गांव का लेखपाल कुलकर्णी कहलाता था। कुलकर्णी का कार्य भूमि से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को दुरूस्त करना था। यह भूमि की पैमाइश करता था। पटेल ग्राम का प्रधान अधिकारी था जो प्रशासनिक व न्यायिक कार्य करता था। गांव की कोई भी समस्या सबसे पहले पटेल के पास आता था।

31. सिन्धु सभ्यता से सम्बन्धित निम्नलिखित पुरास्थलों में से कौन उत्तर प्रदेश में स्थित है?
(a) लोथल (b) आलमगीरपुर
(c) रोपड़ (d) राखीगढ़ी

Ans. (b) : सिन्धु सभ्यता से सम्बन्धित पुरास्थल जो उत्तर प्रदेश में स्थित था, वह आलमगीरपुर है। आलमगीरपुर उत्तर प्रदेश के एटा जिले में स्थित है। यह सिन्धु सभ्यता की सबसे पूर्वी सीमा थी। आलमगीरपुर हिन्डन नदी के किनारे स्थित है। इस पुरास्थल की खोज यज्ञदत्त शर्मा ने किया था।

32. हड़प्पा संस्कृति के किस स्थल से घोड़े की हड्डियाँ मिली है?
(a) लोथल (b) सुरकोटडा
(c) रंगपूर (d) आलमगीरपुर

Ans. (b) : हड़प्पा संस्कृति में सुरकोटडा नामक स्थान से घोड़े की हड्डियाँ व खुर मिले हैं। सुरकोटडा गुजरात राज्य में है। जबकि रानाघुण्डई से घोड़े का जबड़ा और दांत मिला है। इससे सिद्ध होता है कि सैन्धववासी घोड़े से परिचित थे। लोथल व रंगपुर से धान व भूसी मिली है।

33. 'कौषीतकि ब्राह्मण' सम्बन्धित है:
(a) ऋग्वेद से (b) सामवेद से
(c) यजुर्वेद से (d) अथर्ववेद से

Ans. (a) : कौषीतकि ब्राह्मण ऋग्वेद से सम्बन्धित है। चारों वेद के अलग-अलग ब्राह्मण है। ऋग्वेद से सम्बन्धित ब्राह्मण ऐतरेय और कौषीतकि ब्राह्मण है। ब्राह्मण ग्रंथों में वैदिक मंत्रों को कर्मकाण्डों के साथ व्याख्या की गयी है।

34. सतलज नदी का प्राचीन नाम क्या था?
(a) वितस्ता (b) शतुद्रि
(c) विपाशा (d) असिवनी

Ans. (b) : ऋग्वेद के दसवें मण्डल में नदी सूक्त का वर्णन किया गया है। सतलज नदी पूर्व की नदी थी जिसका प्राचीन नाम शतुद्रि था। ऋग्वेद में 25 नदियों का उल्लेख किया गया है। इनमें से कुछ पश्चिम की नदी थी और कुछ पूरब की नदी थी। वितस्ता नदी को झेलम, विपाशा का व्यास नदी, अस्किनी नदी को चिनाब नदी, का प्राचीन नाम था।

35. महासांघिक स्कूल का उदय कहाँ हुआ?
(a) वैशाली (b) बोधगया
(c) सारनाथ (d) राजगृह

Ans. (a) : महासांघिक स्कूल बौद्ध धर्म से सम्बन्धित था जो वैशाली में स्थित था। जिसके अध्यक्ष सर्वकामी थे। अनुशासन को लेकर मतभेद के समाधान के लिए बौद्ध धर्म स्थाविर एवं महासांघिक दो भागों में बंट गया।

36. ध्रुव धारावर्ष शासक था:
(a) चालुक्य वंश का (b) चोल वंश का
(c) पल्लव वंश का (d) राष्ट्रकूट वंश का

Ans. (d) : त्रिपक्षीय संघर्ष में भाग लेने वाला दक्षिण भारत का प्रथम शासक ध्रुव धारावर्ष राष्ट्रकूट वंश से सम्बन्धित था। ध्रुवधारा वर्ष ने प्रतिहार नरेश वत्सराज तथा पाल शासक धर्मपाल को पराजित किया। ध्रुव ने पल्लव शासक दन्तिवर्मन तथा वेंगि नरेश विष्णु वर्द्धन चतुर्थ को हराया।

37. काव्य मीमांसा के लेखक राजशेखर दरबारी कवि थे:
(a) महेन्द्रपाल के (b) महेन्द्रवर्मन के
(c) दन्तिदुर्ग के (d) हर्ष के

Ans. (a) : प्रसिद्ध विद्वान राजशेखर महेन्द्रपाल प्रथम के राजगुरु थे। महेन्द्रपाल गुर्जर प्रतिहार वंश के शासकों में महत्त्वपूर्ण स्थान था। राजशेखर ने इसी समय कर्पूरमंजरी, बालरामायण, काव्यमीमांसा, हरिविलास आदि ग्रन्थों की रचना की। कर्पूरमंजरी प्राकृत भाषा में लिखा गया ग्रन्थ है अन्य सभी रचनाएँ संस्कृत भाषा में है। महेन्द्रपाल के बाद महीपाल-गुर्जर-प्रतिहार वंश का अगला शासक बना। राजशेखर महीपाल के भी राजगुरु थे।

GET IT ON Google Play

38. 'प्रबोधचन्द्रोदय' की रचना हुई थी:
(a) चन्देल शासकों के राज्यकाल में
(b) प्रतिहार शासकों के राज्यकाल में
(c) गुप्त शासकों के राज्यकाल में
(d) सातवाहन शासकों के राज्यकाल में

Ans. (a) : प्रबोध चन्द्रोदय की रचना चन्देल शासकों के राज्यकाल में हुई। इसके लेखक कृष्ण मिश्र थे। चन्देल शासकों का शासन काल मन्दिरों के निर्माण का काल कहा जाता है।

39. 'बुद्ध का महापरिनिब्बान' मगध के किस शासक के काल की घटना थी?
(a) बिम्बिसार (b) अजातशत्रु
(c) उदायीभद्र (d) अनिरुद्ध

Ans. (b) : बुद्ध का महापरिनिर्वाण मगध के शासक अजातशत्रु के शासन काल से सम्बन्धित है। दीर्घनिकाय (संस्कृत भाषा में) सुत्त पिटक से सम्बन्धित है। महापरिनिर्वाण सुत्त दीर्घ निकाय का एक अंश हैं। यह महात्मा बुद्ध के देहांत एवं उनके परिनिर्वाण से सम्बन्धित है। यह त्रिपिटक का सबसे लम्बा सूत्र है। श्रीकृष्ण मित्र चन्देल शासक कीर्तिवर्मा का राजकवि था। प्रबोधचन्द्रदोय नाटक में विष्णु भक्ति का वर्णन मिलता है।

40. गुप्त शासकों में किसे 'लिच्छवि दौहित्र' कहा गया है?
(a) चन्द्रगुप्त-I (b) समुद्रगुप्त
(c) चन्द्रगुप्त-II (d) उपरिलिखित में कोई नहीं

Ans. (b) : गुप्त शासकों में समुद्रगुप्त को लिच्छवि दौहित्र कहा जाता है। समुद्रगुप्त की माता कुमार देवी लिच्छवि राजकुमारी थी। समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहा जाता है। समुद्रगुप्त वीणा बजाने में निपुण था। समुद्रगुप्त के अध्ययन के लिए प्रयाग प्रशस्ति एवं एरण अभिलेख है।

41. चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ था:
(a) अशोक के शासन काल में
(b) कनिष्क के शासन काल में
(c) हर्ष के शासन काल में
(d) अजातशत्रु के शासन काल में

Ans. (b) : चतुर्थ बौद्ध संगीति ईसा की प्रथम शताब्दी में कश्मीर के कुण्डलवन में हुई थी। उस समय कुषाण वंश के कनिष्क का शासन काल था। संगीति की अध्यक्षता वसुमित्र ने की थी तथा उपाध्यक्ष अश्वघोष थे। इस संगीति में बौद्धधर्म दो सम्प्रदायों में बंट गया हीनयान एवं महायान।

42. पल्लव रथ मन्दिर स्थित है:
(a) कांचीपुरम् में (b) मदुराई में
(c) महाबलीपुरम् में (d) तंजौर में

Ans. (c) : पल्लव रथ मन्दिर महाबलीपुरम में बनाए गये है। इसका निर्माण मामल्ल शैली के अन्तर्गत नरसिंह वर्मन प्रथम द्वारा किया गया। ये एकाश्मक है। इनकी संख्या आठ है। धर्मराज रथ (युधिष्ठिर) सबसे बड़ा है। द्रोपदी रथ सबसे छोटा है। प्रथम बार धर्मराज रथ पर ही पिरामिड के अनुसार का शिखर बना।

43. हूण सरदार मिहिरकुल को पराजित किया था:
(a) पुरुगुप्त ने (b) बुधगुप्त ने
(c) भानुगुप्त ने (d) नरसिंहगुप्त ने

Ans. (d) : ह्वेनसांग के अनुसार मगध के शासक नरसिंह गुप्त बालादित्य ने भी मिहिरकुल को पराजित करने में सफलता प्राप्त की थी। तोरमाण हूणों का प्रथम शासक था। गुप्त शासकों में स्कंदगुप्त के समय सबसे पहले हूणों ने भारत पर आक्रमण किये। गुप्तों के पतन में हूणों का आक्रमण मुख्य माना जाता है।

44. निम्नलिखित में से किस राजवंश के शासकों ने सीसे के सिक्के चलाए?
(a) गुप्त (b) सातवाहन
(c) कुषाण (d) मौखरि

Ans. (b) : सातवाहन शासकों ने मुद्रा के लिए सबसे पहले सीसे के सिक्के चलाए। सातवाहन शासकों ने स्वर्ण का प्रयोग बहुमूल्य धातु के रूप में किया क्योंकि उन्होंने कुषाणों की तरह सोने के सिक्के नहीं चलाए। सातवाहनों के अन्य सिक्के पोटीन, ताँबे, कांसे के थे।

45. हर्ष के शासन के समय वल्लभी का राजा कौन था?
(a) शशांक (b) ध्रुवसेन II
(c) भास्करवर्मन (d) पुलकेशिन II

Ans. (b) : हर्ष के शासन काल के समय वल्लभी के मैत्रय वंश का राजा ध्रुवसेन द्वितीय था। मैत्रक वंश के राजा ध्रुवसेन II के शासनकाल में ह्वेनसांग आया था तथा ह्वेनसांग ने इसे हर्ष का दामाद बताता है। भाष्कर वर्मन और हर्ष ने मिलकर शशांक को पराजित किये थे। पुलकेशिन द्वितीय ने हर्ष को पराजित किया था।

46. निम्नलिखित अभिलेखों में किसमें 'सार्थवाह' शब्द प्रयुक्त हुआ है?
(a) इलाहाबाद स्तम्भ लेख (b) मथुरा स्तम्भ लेख
(c) मानकुँवर लेख (d) दामोदरपुर ताम्रपत्र लेख

Ans. (d) : कुमारगुप्त प्रथम के दामोदरपुर ताम्रपत्र लेख में सार्थवाह शब्द का प्रयोग किया गया है। इस लेख से ज्ञात होता है कि विषयपति एक विषयसमिति के माध्यम से शासन चलाता था, जिसमें निम्न सदस्य होते थे-
(i) नगरश्रेष्ठि–नगर के व्यापारी दल का मुखिया
(ii) सार्थवाह– व्यावसायियों का प्रधान
(iii) प्रथम कुलिक– कारीगरों का प्रधान (मुख्य शिल्पी)
(iv) प्रथम कायस्थ– लिपिकों का प्रधान
ये सभी सदस्य विषयमहत्तर कहे जाते थे।

47. वाक्पति मुंज एवं सिन्धुराज के दरबारी कवि पद्मगुप्त रचनाकार थे:
(a) पृथ्वीराज रासो के (b) पिंगलसूत्र के
(c) नवसाहसांकचरित के (d) प्रबन्धचिन्तामणि के

Ans. (c) : पदम्गुप्त जो कि वाक्पति मुंज एवं सिन्धुराज दोनों के दरबारी कवि थे। इन्होंने नवसहसांक चरित की रचना की थी। वाक्पतिमुंज हूणों और चालुक्यों को पराजित किया। वाक्पति मुंज की उपाधि अमोघवर्ष थी। वाकपतिमुंज और सिन्धुराज दोनों ही साहित्य प्रेमी थे।

48. श्रवणबेलगोला स्थित है:
(a) कर्नाटक में (b) केरल में
(c) तमिलनाडु में (d) तेलंगाना में

Adda247 GET IT ON Google Play

Ans. (a) : श्रवणबेलगोला कर्नाटक में स्थित है। अपने जीवन के अंतिम चरण में चन्द्रगुप्त मौर्य ने बिन्दुसार के लिए गद्दी छोड़कर जैनमुनि भद्रबाहु से जैन धर्म की दीक्षा ली और श्रवणबेलगोला जाकर 298 ई. पू. में उपवास द्वारा शरीर को त्याग दिया।

49. निम्नलिखित में से कौन सा शासक बौद्ध भिक्षु नागसेन से प्रभावित हुआ था?

(a) कनिष्क (b) हुविष्क
(c) वासुदेव (d) मिनाण्डर

Ans. (d) : मिनाण्डर बौद्ध साहित्य में मिलिन्द के नाम से प्रसिद्ध है। नागसेन ने मिनाण्डर को बौद्ध धर्म में दीक्षित किया था। इसलिए मिनाण्डर नागसेन से अत्यधिक प्रभावित था। प्रसिद्ध बौद्ध ग्रन्थ मिलिन्द पन्हो में बौद्ध भिक्षु नागसेन एवं मिनाण्डर की वृहद वार्ता संकलित है। मिनाण्डर सवाल करता है जिसका उत्तर नागसेन बड़ी सहजता से देता है। जिससे प्रभावित होकर मिनाण्डर बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया।

50. उत्तर वैदिक काल में पालागल से तात्पर्य था:

(a) रथ सेना नायक (b) सन्देशवाहक
(c) ग्राम का मुखिया (d) वित्तमंत्री

Ans. (b) : उत्तर वैदिक काल में राजा को सन्देश देने वाला पालागल कहलाता था। इस सन्देश वाहक से राजा को अपने राज्य के विषय में समस्त जानकारियाँ समय पर मिल जाती थी। पालागल राजा को विभिन्न प्रकार की घटनाओं का सन्देश देने के लिए तत्पर रहते थे।

51. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और उसके नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

सूची-I	सूची-II
(A) ऋग्वेद	1. गोपथ ब्राह्मण
(B) सामवेद	2. शतपथ ब्राह्मण
(C) यजुर्वेद	3. ऐतरेय ब्राह्मण
(D) अथर्ववेद	4. पंचविश ब्राह्मण

(a) A-2, B-1, C-3, D-4 (b) A-3, B-2, C-4, D-1
(c) A-3, B-4, C-2, D-1 (d) A-4, B-3, C-1, D-2

Ans. (c) : चारों वेदों के अलग-अलग ब्राह्मण है। ऋग्वेद के ब्राह्मण ऐतरेय और कौषितकीय है। सामवेद के ब्राह्मण पंचविश और षड्विश है। यजुर्वेद के ब्राह्मण शतपथ और तैत्तिरीय ब्राह्मण थे। अथर्ववेद के ब्राह्मण गोपथ ब्राह्मण है। इनमें प्रथम तीन वेद को वेदत्रयी कहा जाता है।

52. पूना ताम्रपत्र लेख सम्बन्धित है:

(a) प्रभावती गुप्ता से (b) कुमारदेवी से
(c) स्कन्दगुप्त से (d) ईशानवर्मन से

Ans. (a) : पूना ताम्रपत्र लेख प्रभावती गुप्ता से सम्बन्धित है। प्रभावती गुप्ता चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री थी। जिसका विवाह वाकाटक वंश में किया गया। प्रभावती गुप्ता का शासन सत्ता में महत्वपूर्ण स्थान था। इसी से प्रभावित होकर पूना ताम्रलेख लिखवायी है।

53. गंगाघाटी की नरहन संस्कृति सम्बन्धित है:

(a) मध्यपाषाणिक से (b) नवपाषाणिक से
(c) ताम्रपाषाणिक से (d) प्रारम्भिक ऐतिहासिक से

Ans. (c) : गंगा घाटी के नरहन संस्कृति का सम्बन्ध ताम्रपाषाण काल से सम्बन्धित है। नरहन संस्कृति गोरखपुर जिले के उत्तर प्रदेश में स्थित है। यह संस्कृति प्रारम्भिक जीवन वृत्ति को दर्शाता है। नरहन संस्कृति से स्तम्भगर्त तथा चूल्हों के साथ नरकूल तथा मिट्टी के मकानों के अवशेष मिले हैं।

54. प्रथम जैन संगीति हुई थी:

(a) राजगृह में (b) पाटलिपुत्र में
(c) वल्लभी में (d) वैशाली में

Ans. (b) : जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक महावीर स्वामी थे। ये जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे। प्रथम संगीति 300 ई. पू. में पाटलिपुत्र में हुई थी। इसमें जैन धर्म के प्रधान भाग 12 अंगों का सम्पादन हुआ। यह सभा स्थूलभद्र एवं सम्भूति विजय नामक जैन भिक्षुओं के निरीक्षण में हुई। इसी संगीति में जैन धर्म दिगम्बर एवं श्वेताम्बर दो भागो में बंट गया।

55. विक्रमाङ्कदेवचरित का लेखक कौन था?

(a) कल्हण (b) विल्हण
(c) राजशेखर (d) बाणभट्ट

Ans. (b) : विक्रमांकदेव चरित का लेखक विल्हण था। इस पुस्तक में कल्याणी के चालुक्य वंशी नरेश विक्रमादित्य षष्ठ के चरित्र का वर्णन हैं। विल्हण विक्रमादित्य षष्ठ के दरबार में रहते थे। यहीं से इन्होंने इनके बारे में लिखना आरंभ किया। विक्रमादित्य षष्ठ चालुक्य वंश का महान शासक था।

56. वत्स महाजनपद की राजधानी स्थित थी:

(a) पाटलिपुत्र में (b) कौशाम्बी में
(c) वाराणसी में (d) कुशीनगर में

Ans. (b) : 16 महाजनपदों में वत्स का नाम शक्तिशाली महाजनपदों गिना जाता था। वत्स की राजधानी कौशांबी थी। बुद्ध कालीन चार शक्तिशाली राजतन्त्र कोशल, मगध, वत्स, अवन्ति थे। प्राचीन काल में प्राचीन मनीषियों ने राजतन्त्र को सर्वाधिक प्रचलित और उत्कृष्टशासन पद्धति माना। बुद्ध काल में यहाँ का शासक उदयन था।

57. निम्नलिखित में से किस पल्लव शासक ने काञ्ची के कैलाशनाथ मन्दिर का निर्माण कराया था?

(a) परमेश्वरवर्मन
(b) नरसिंहवर्मन-II
(c) महेन्द्रवर्मन-I
(d) उपरिलिखित में कोई नही

Ans. (b) : राजसिंह शैली के स्वतन्त्र मंदिरों का विकास पल्लव नरेश राजसिंह (नरसिंह वर्मन II) के शासन काल में हुआ। नरसिंह वर्मन II ने ही कांची के कैलाश मन्दिर का निर्माण करवाया था। इस मन्दिर में वास्तुकला की सभी विशेषताएं दृष्टव्य होती है। नरसिंहवर्मन ने महाबलीपुरम् में शोर मंदिर का निर्माण कराया।

58. ऋग्वेद में किस नदी को 'अम्बितमे, नदीतमे और देवितमे' कहा गया है?

(a) सिन्धु (b) वितस्ता
(c) परुष्णी (d) सरस्वती

Adda247
GET IT ON Google Play

Ans. (d) : ऋग्वेद में अम्बितमे, नदीतमे और देवितमे सरस्वती नदी को कहा गया है। सरस्वती नदी को ऋग्वेद में सबसे पवित्र नदी घोषित किया गया है। ऋग्वेद के 10वें मण्डल में नदी सूक्त में 21 नदियों का उल्लेख मिलता है जिसमें वर्णित पहली नदी गंगा है। ऋग्वेद में सिन्धु नदी का सबसे अधिक बार उल्लेख किया गया है।

59. निम्नलिखित में से किस शासक की उपाधि 'विचित्रचित्त' थी?

(a) नरसिंहवर्मन-I (b) नन्दिवर्मन-II
(c) सिंहविष्णु (d) महेन्द्रवर्मन-I

Ans. (d) : महेन्द्र वर्मन एक पल्लव शासक था। महेन्द्र वर्मन प्रथम ने विचित्रचित्र तथा मत्तविलास की उपाधि धारण की थी। चालुक्य नरेश पुलकेशिन द्वितीय ने महेन्द्र वर्मन को पराजित किया था। पल्लव की राजनैतिक सत्ता का केन्द्र कांची था। पल्लवों का सबसे प्रभावशाली शासक नरसिंह वर्मन प्रथम था। महेन्द्रवर्मन-I ने मत्तविलास प्रहसन नामक ग्रन्थ की रचना की थी।

60. 'विजयराजेन्द्र' की उपाधि किस चोल शासक ने धारण की

(a) राजेन्द्र-I (b) राजेन्द्र-II
(c) राजाधिराज-I (d) राजाधिराज-II

Ans. (c) : राजेन्द्र प्रथम की मृत्यु के पश्चात उसका ज्येष्ठ पुत्र राजाधिराज प्रथम उत्तराधिकारी बना। कल्याणी पर विजय के पश्चात उसने कल्याणी नगर में अपना राज्याभिषेक कराकर विजय राजेन्द्र की उपाधि धारण की थी। राजाधिराज प्रथम चेर-पाण्ड्य तथा लंका के संघ को तोड़ा था।

61. विजयनगर राज्य में आयंगरः

(a) पुजारी था (b) स्थानीय प्रशासक था
(c) सैन्य अधिकारी था (d) वित्त अधिकारी था

Ans. (b) : विजय नगर राज्य में आयंगर एक स्थानीय प्रशासक थे। आयंगर जो कि वंशानुगत ग्रामीण अधिकारी थे। ग्राम शासन के लिए बारह शासकीय शक्तियों को नियुक्ति किया जाता था। इस बाहर शासकीय अधिकारियों को ही आयंगर कहा जाता था। आयंगर अपने पदों को बेच या गिरवी रख सकते थे।

62. किसने चोल वंश की स्थापना एक स्वतन्त्र शक्ति के रूप में की?

(a) आदित्य-I (b) करिकाल
(c) परान्तक-I (d) विजयालय

Ans. (d) : चोल साम्राज्य का उदय 9वीं शताब्दी में हुआ। इस साम्राज्य की स्थापना विजयालय (850-887 ई.) ने की। विजयालय ने तंजौर या तंजावुर पर अधिकार करके नरकेसरी की उपाधि धारण की। विजयालय शुरूआत में पल्लवों के सामन्त के रूप में कार्य करता था।

63. मेगस्थनीज ने भारतीय समाज को सात वर्गों में विभाजित किया जिसमें द्वितीय वर्ग थाः

(a) व्यापारी (b) योद्धा
(c) कृषक (d) दार्शनिक एवं शिक्षक

Ans. (c) : मेगस्थनीज ने भारतीय समाज को सात वर्गों में विभाजित किया था जिसमे प्रथम वर्ग दार्शनिक, द्वितीय वर्ग किसान थे। इसके बाद क्रमवत अहीर, कारीगर, शिल्पी, सैनिक, निरीक्षक, सभासद थे। इस जातियों में किसानों की संख्या सर्वाधिक थी।

64. रुपक सिक्के प्रचलन में थेः

(a) मौर्यों के शासन काल में
(b) कुषाणों के शासन काल में
(c) शुंगों के शासन काल में
(d) गुप्तों के शासन काल में

Ans. (d) : चांदी के सिक्के को रूपक सिक्का कहा जाता था। इन सिक्कों को गुप्त शासकों ने चलाया था। गुप्तकाल में सर्वप्रथम चाँदी के सिक्के चन्द्रगुप्त II ने पश्चिमी भारत में शकों के विरुद्ध के पश्चात् प्रारम्भ किये थे।

65. जेतवन विहार कहाँ स्थित था?

(a) कौशाम्बी (b) श्रावस्ती
(c) राजगृह (d) नालन्दा

Ans. (b) : जेतवन विहार श्रावस्ती में स्थित है। श्रावस्ती वर्तमान में उत्तर प्रदेश में स्थित है। गौतम बुद्ध ने सबसे अधिक उपदेश श्रावस्ती में ही दिये थे। गौतम बुद्ध सबसे अधिक वर्षा स्थान श्रावस्ती में ही बिताए थे।

66. रेखीय-मापन के लिए हाथी दाँत का पैमाना प्राप्त हुआ है

(a) लोथल से (b) कालीबंगा से
(c) धौलावीरा से (d) सुरकोटदा से

Ans. (a) : रेखीय-मापन के लिए हाथी दांत का पैमाना लोथल से प्राप्त हुआ है, हड़प्पीय नगर लोथल गुजरात में भोगवा नदी के किनारे स्थित है। लोथल स्थल की खोज 1957 ई. में एस.आर. राव ने की थी। यहाँ की मुख्य विशेषता बंदरगाह था।

67. समुद्रगुप्त के समय काञ्ची का राजा कौन था?

(a) हस्तिवर्मन (b) मण्टराज
(c) नीलराज (d) विष्णुगोप

Ans. (d) : समुद्रगुप्त के समय कांची का राजा विष्णुगोप था। समुद्र गुप्त ने विष्णुगोप द्वारा संगठित किए गये बारह राजाओं के समूह को पराजित किया था। समुद्र गुप्त को अनेक विजेताओं के कारण ही भारत का नेपोलियन कहा जाता है। समुद्रगुप्त वीणावादक था।

68. बराबर पर्वत क्षेत्र में अशोक के दानों से लाभान्वित होने वाले कौन थे?

(a) बौद्ध (b) आजीवक
(c) श्वेताम्बर जैन (d) दिगम्बर जैन

Ans. (b) : अशोक बौद्ध धर्म को मानने वाला शासक था। उसने आजीवक भिक्षुओं को रहने के लिए बराबर पर्वत क्षेत्रों में निवास स्थान बनाया। इन गुफाओं में आजीवक सम्प्रदाय के लोग रहते थे। अशोक के पुत्र दशरथ ने भी आजीविकों को रहने के लिए नागार्जुनी के पहाड़ी पर गुफाओं का निर्माण करवाया।

69. मथुरा से प्राप्त खड़ी मुद्रा की आदमकद प्रतिमा सम्बन्धित हैः

(a) मौर्य काल से (b) शुंग काल से
(c) कुषाण काल से (d) गुप्तकाल से

Ans. (c) : मथुरा से प्राप्त खड़ी मुद्रा की आदम कद प्रतिमा कुषाण काल से सम्बन्धित है। कुषाण काल में कला के क्षेत्र में दो शैलियों का विकास हुआ प्रथम मथुरा कला शैली द्वितीय गान्धार शैली। मथुरा कला शैली सबसे पुरानी शैली है। गान्धार शैली का विकास सबसे अधिक कुषाण काल में हुआ।

70. निम्नलिखित में से नाट्यशास्त्र का रचयिता कौन था?

(a) नारद (b) गौतम
(c) भरत (d) वाल्मीकि

Ans. (c) : नाट्यशास्त्र का रचयिता भरत को माना जाता है। भरत मुनि ने सर्वप्रथम रस का उल्लेख अपने प्रसिद्ध ग्रन्थ नाट्यशास्त्र में किया था। इन्होंने 'रस' के नौ प्रकार बताए हैं। आचार्य अभिनव गुप्त और मम्मर ने भी 'रस' के नौ प्रकार बताए हैं।

71. बाबर ने अपनी आत्मकथा संस्मरण को किस भाषा में लिखा?

(a) अरबी (b) उर्दू
(c) फारसी (d) तुर्की

Ans. (d) : बाबर साहित्य में बहुत रूचि लेता था। उसने तुर्की भाषा में अपनी आत्मकथा तुजुक-ए-बाबरी (बाबर नामा) लिखा। बाबर नामा का तीन बार फारसी में अनुवाद हुआ। प्रथम दो अनुवाद हुमायूँ के समय पायन्दा खाँ और जौना खाँ ने किये व तीसरा अनुवाद अब्दुल रहमीन खानखाना ने अकबर के समय किया था। बाबर नामा में भारत की तत्कालीन राजनीतिक दशा, भारतीयों के तत्कालीन जीवन स्तर फसलें तथा फूलों का विस्तृत वर्णन हैं।

72. खानजादा बेगम बहिन थी:

(a) बाबर की (b) हुमायूँ की
(c) अकबर की (d) जहाँगीर की

Ans. (a) : खानजादा बेगम बाबर की बहन थी। बाबर 11 वर्ष की अवस्था में शासक बना था। शासन सत्ता दिलाने में खानजादा बेगम ने बाबर की मदद की थी। लेकिन बाबर शासन करने में असफल रहा और अपने चाचा द्वारा पराजित किया गया। फलस्वरूप बाबर ने भारत पर आक्रमण कर दिया। बाबर का भारत पर प्रथम आक्रमण 1519 ई. में बागौर एवं भेरा के किले पर था।

73. निम्नलिखित में से कौन अकबर के आदेश से लिखे गए मौलिक ग्रन्थ थे?

(a) तारीख-ए-अलफी
(b) अकबरनामा
(c) आइने अकबरी
(d) उपरोक्त सभी

Ans. (d) : अकबर के आदेश पर लिखे गये ग्रन्थो में तारीख-ए-अल्फी, अकबरनामा और आइन-ए-अकबरी थे। इनमें से आइने-ए-अकबरी का सबसे अधिक महत्व है। अकबर के बारे में सबसे विश्वसनीय जानकारी यही पुस्तक देती है। इसके लेखक अबुल फजल थे। अबुल फजल अकबर के नवरत्नों में से एक थे।

74. 'आगरा और फतेहपुर दोनो लन्दन से बड़े हैं।' यह वक्तव्य किसने दिया था?

(a) बर्नियर (b) मनूची
(c) राल्फ फिच (d) हाकिन्स

Ans. (c) : अकबर के शासन काल के दौरान अंग्रेज यात्री राल्फ फिच भारत की यात्रा पर आया था। राल्फ फिच ने कहा कि आगरा और फतेहपुर सीकरी दोनों लंदन से बड़े हैं। हाकिंस जहाँगीर के दरबार में आया था। हाकिंस अकबर के नाम का पत्र लाया था।

75. निम्न में से कौन सूफी मत चिश्तिया शाखा का संस्थापक था?

(a) शेख मुहीउद्दीन
(b) ख्वाजा अबू अब्दाल
(c) शेख जियाउद्दीन अबुलजीव
(d) ख्वाजा बहाउद्दीन

Ans. (a) : चिश्तिया शाखा का संस्थापक शेख मुहीउद्दीन थे। ख्वाजा बहाउद्दीन जकारिया सुहरावर्दी से सम्बन्धित थे। चिश्ती सम्प्रदाय का संस्थापक इश्हाक शामी था। भारत में चिश्ती सम्प्रदाय का संस्थापक ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती थी। इन्होंने अपनी खानकाह अजमेर में बनाई थी।

76. निम्न में से किसने स्वतन्त्र गोलकुण्डा राज्य को मुगल साम्राज्य में सम्मिलित किया?

(a) अकबर (b) औरंगजेब
(c) जहाँगीर (d) शाहजहाँ

Ans. (b) : मुगल बादशाह औरंगजेब ने गोलकुण्डा राज्य को 1687 ई. में जीतकर अपने राज्य में मिला लिया। कहा जाता है कि औरंगजेब ने गोलकुण्डा के किले को उसी तरह सोने की कुंजियों से खोला जिस तरह अकबर ने असीरगढ़ के किले को खोला था। दक्षिण की नीति औरंगजेब के लिए नासूर सिद्ध हुआ।

77. निम्न में से किस सुल्तान ने सल्तनत की राजधानी दिल्ली से आगरा स्थानान्तरित की थी?

(a) इब्राहीम (b) शेरशाह
(c) सिकन्दर लोदी (d) अकबर

Ans. (c) : लोदी वंश का महान शासक सिकन्दर लोदी ने सल्तनत की राजधानी दिल्ली से आगरा स्थानान्तरित किया था। सिकन्दर लोदी ने 1504 ई. में यमुना नदी के किनारे आगरा नगर की स्थापना की तथा 1506 ई. में आगरा सिकन्दर की राजधानी बनी। सिकन्दर विद्या प्रेमी था। वह गुलरूखी के उपनाम से फारसी में कविताएं लिखता था।

78. निम्नलिखित में से किस ग्रन्थ में फिरोज शाह तुगलक की नहर योजना का विस्तृत विवरण मिलता है?

(a) तारीख-ए- फिरोजशाही
(b) तारीख-ए- मुबारकशाही
(c) फुतुहात-ए- फिरोजशाही
(d) उपरिलिखित में कोई नही

Ans. (b) : सिंचाई सुविधा के लिए तुगलक शासक फिरोजशाह तुगलक ने पाँच नहरों का निर्माण करवाया था। फिरोजशाह तुगलक की नहर प्रणाली का विस्तृत वर्णन याहिया बिन अहमद सरहिन्दी ने अपनी पुस्तक 'तारीख-ए-मुबारकशाही' में किया है। उसके द्वारा बनवायी गयी नहरों में सबसे महत्वपूर्ण उलूगखानी और रजवाही नहरें थी। 'तारीख-ए-फिरोजशाही' की रचना जियाउद्दीन बरनी ने किया तथा 'फुतूहात-ए-फिरोजशाही' (आत्मकथा) की रचना फिरोजशाह तुगलक ने किया था।

GET IT ON Google Play

79. 'दीवान-ए-कोही' सम्बन्धित था:
(a) सेना से (b) न्याय से
(c) कृषि से (d) सार्वजनिक निर्माण से

Ans. (c) : मुहम्मद बिन तुगलक ने संकट की स्थित से निपटने के लिए एक नये विभाग दीवान-ए-कोही का निर्माण किया जिसका सम्बंध कृषि विभाग से था। इस विभाग के अन्तर्गत किसानों को ऋण बाँटे जाते थे, जिससे किसान अपनी उपज को बढ़ा सके। मुहम्मद बिन तुगलक को सल्तनत काल का अकबर कहा जाता था।

80. तहकीक-ए-हिन्द के लेखक थे:
(a) अल्बरुनी (b) अलइद्रीसी
(c) सुलेमान (d) अलमसूदी

Ans. (a) : तहकीक-ए-हिन्द (किताबुल-हिन्द) का लेखक अल्बरूनी था। महमूद गजनबी के साथ प्रसिद्ध इतिहासकार अल्बरूनी 11वीं सदी में भारत आया था। उसकी पुस्तक से तत्कालीन भारत की सामाजिक सांस्कृतिक स्थिति की जानकारी मिलती है। अल्बरूनी इतिहासकार गणितज्ञ एवं ज्योतिषी था।

81. मुहम्मद-बिन-तुगलक की मृत्यु किस अभियान के समय हुई थी?
(a) वारगल (b) थट्टा
(c) तेलंगाना (d) कांगड़ा

Ans. (b) : मुहम्मद बिन तुगलक के समय गुजरात में विद्रोह को आसानी से खत्म कर दिया गया लेकिन तागि भागकर सिंध चला गया। सुल्तान तागि को खत्म करने के लिए सिंध की ओर चल पड़ा। मार्ग में ही सुल्तान बीमार पड़ गया और थट्टा के निकट 20 मार्च 1351 ई. को उसकी मृत्यु हो गयी।

82. अलाउद्दीन खिलजी को काफूर नामक दास कहाँ से प्राप्त हुआ था?
(a) द्वारसमुद्र (b) मालवा
(c) गुजरात (d) रणथम्भोर

Ans. (c) : अलाउद्दीन खिलजी को गुजरात अभियान के दौरान मलिक काफूर नामक एक दास को हजार दीनार में खरीदा था इसी कारण इसे हजार दीनारी भी कहा जाता है। अलाउद्दीन के दक्षिण विजय में मालिक काफूर का बहुत बड़ा एक योगदान था। 1307 ई. में मलिक काफूर ने देवगिरि के शासक रामचन्द्रदेव को पराजित किया था।

83. जहाँगीर काल में 'तमगा' और 'मीर बहरी' से आशय था:
(a) जहाँगीर के विश्वासपात्र (b) शहजादों के नाम
(c) भूमि कर (d) नदी मार्ग की चुंगी

Ans. (d) : जहाँगीर के काल में तमगा और मीर बहरी एक कर थे। जिसका सम्बन्ध नदी मार्ग की चुंगी से था। किसी भी वस्तु का नाव के माध्यम से आवागमन किया जाता था तो उस पर कर एक निश्चित मात्रा में कर देना अनिवार्य था।

84. रोहतासगढ़ दुर्ग का निर्माण हुआ था:
(a) शेरशाह के शासन काल में
(b) फिरोज तुगलक के शासन काल में
(c) अकबर के शासन काल में
(d) बाबर के शासन काल में

Ans. (a) : रोहतासगढ़ दुर्ग का निर्माण उत्तर-पश्चिम सीमा की सुरक्षा के लिए शेरशाह सूरी ने कराया था। इस किले के निर्माण से उत्तर पश्चिमी सीमा पूरी तरह से सुरक्षित हो गया था। शेरशाह सूरी का शासन काल मात्र पांच वर्ष का था। 1545 ई. में उसकी मृत्यु हो गयी। शेरशाह का मकबरा सासाराम (बिहार) में है।

85. 'रेहला' का लेखक कौन था?
(a) इब्न-बतूता (b) अमीर खुसरो
(c) सुलेमान (d) जायनक

Ans. (a) : रेहला का लेखक इब्न बतूता था। रेहला का अर्थ होता है घूमन्तू। मुहम्मद बिन तुगलक के काल में 1333 ई. में अफ्रीकी यात्री इब्न बतूता भारत आया था। सुल्तान ने इसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया था। इब्न-बतूता के अनुसार उस समय तुगलक के साम्राज्य में 23 प्रान्त थे।

86. 'दीवान-ए-मुस्तखराज' की स्थापना किसने की?
(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) बलबन
(c) फिरोज तुगलक (d) मोहम्मद-बिन-तुगलक

Ans. (a) : दीवान-ए-मुस्तखराज का सम्बन्ध राजस्व व्यवस्था से था। इसकी स्थापना अलाउद्दीन खिल्जी ने किया था। अलाउदीन ने इसकी स्थापना राजस्व व्यवस्था से भ्रष्टाचार एवं लूट को खत्म करने के लिए किया था। मुहम्मद बिन तुगलक ने कृषि से सम्बन्धित अमीर-ए-कोही की स्थापना की थी।

87. 'पादशाहनामा' के लेखक कौन थे?
(a) जहाँगीर (b) मोहम्मद अमीन कजवीनी
(c) उमर (d) गुलबदन बानो

Ans. (b) : 'पादशाहनामा' पुस्तक के लेखक मोहम्मद अमीन कजवीनी थे। मोहम्मद अमीन कजवीनी शाहजहाँ के शासन काल का सरकारी इतिहासकार था। कजवीनी ने अपनी पुस्तक में शाहजहाँ के शासन के 10 वर्षो तक का उल्लेख किया है। बाद में अब्दुल हमीद लाहौरी ने भी पादशाहनामा से रचना की है लेकिन अंतिम रूप से मुहम्मद वारिस ने किया है।

88. 'नादिर-उल-असर' की उपाधि किसने धारण की थी?
(a) उस्ताद मंसूर (b) अबुल हसन
(c) अब्दुल फिज़ा (d) फिराक

Ans. (a) : जहांगीर के काल का सर्वोत्कृष्ट चित्रकार उस्ताद मंसूर को माना जाता है। जहाँगीर ने उस्ताद मंसूर को नादिर-उल-असर की उपाधि दी थी। उस्ताद मंसूर पशु-पक्षी के चित्रों को बनाने में विशेषज्ञ माना जाता है। अबुल हसन की उपाधि नादिर-उल-जमाँ थी। यह व्यक्ति का चित्र बनाने में विशेषज्ञ था।

89. एक लोदी सुल्तान जो सिंहासन पर न बैठकर कालीन पर बैठा करता था, वह था:
(a) बहलोल लोदी (b) सिकन्दर लोदी
(c) इब्राहिम लोदी (d) उपरिलिखित में कोई नही

Ans. (a) : बहलोल लोदी लोदी वंश का संस्थापक था। वह 1451 ई. में राजगद्दी पर बैठा। तारीख-ए-दाउदी के लेखक अब्दुला के अनुसार वह कभी भी सिंहासन पर नहीं बैठा और अपने सरदारों के साथ एक दरी पर बैठकर शासन किया। बहलोल लोदी ने बहलोल नामक सिक्का चलाया था।

90. 'अक्ता' वह भूमि होती थी जिसकी आय पर:
(a) नागरिक प्रशासन का नियन्त्रण था।
(b) सैन्य प्रशासन का नियन्त्रण था।
(c) काज़ी का नियन्त्रण था।
(d) वक्फ का नियन्त्रण था।

Ans. (b) : इल्तुतमिश ने सैनिकों को वेतन के रूप में इक्ता प्रदान करने की प्रथा आरंभ की थी। दिल्ली सल्तनत काल में ही 1210 ई. में इल्तुतमिश ने राज्यारोहण के साथ ही शासन तंत्र की आधारशिला के रूप में इक्ता प्रथा स्थापित थी। जबकि जागीरदारी प्रथा मुगलकाल में विद्यमान भी।

91. सुल्तान इल्तुतमिश के शासन काल में न्याय चाहने वाले व्यक्ति को पहननी पड़ती थी
(a) लाल पोशाक (b) काली पोशाक
(c) सफेद पोशाक (d) हरी पोशाक

Ans. (a) : इल्तुतमिश के शासन काल में न्याय चाहने वाले व्यक्ति को लाल पोशाक धारण करना पड़ता था। इल्तुतमिश ने न्याय के लिए सभी प्रमुख नगरों में काजी और 'अमीर-ए-दाद' की नियुक्ति की थी।

92. निम्नलिखित में से कौन बाबर की माता थी?
(a) कुतलुग निगार खानम
(b) माहम बेगम
(c) मरियम-ए-मकानी
(d) उपरिलिखित में कोई नहीं

Ans. (a) : भारत में मुगल वंश के संस्थापक बाबर का जन्म 1483 ई. में फरगना में हुआ था। इनके पिता का नाम उमरशेख मिर्जा तथा माता का नाम कुतलुग निगार खानम था। बाबर पितृपक्ष की तरह से तैमूर का पाँचवां वंशज तथा मातृपक्ष की तरफ से चंगेज का 14वाँ वंशज था।

93. तैमूर के आक्रमण के समय दिल्ली में सुल्तान कौन था?
(a) अबू ब्रक शाह
(b) खिज्र खाँ
(c) गियासुद्दीन तुगलक शाह-II
(d) नासिरुद्दीन महमूद तुगलक

Ans. (d) : मध्य एशिया का महान मंगोल सेनानायक तैमूर ने 1398 ई. में भारत पर आक्रमण किया। उस समय तुगलक वंश के नासिरूद्दीन महमूद का शासन था। तैमूर का आक्रमण तुगलक वंश एवं दिल्ली दोनों के लिए मरणान्तक आघात सिद्ध हुआ। तैमूर ने समस्त दिल्ली को खूब लूटा था।

94. 'पैबाकी' था:
(a) कर (b) भूमि
(c) मन्दिर (d) ग्रामसभा

Ans. (b) : पैबाकी भूमि को मनसबदारों को वेतन के रूप में देने के लिए आरक्षित रखी जाती थी। मुगलकाल में पैबाकी की व्यवस्था थी। मनसब सामान्यतः अकबर के शासन काल की व्यवस्था मानी जाती है। मनसबदार को नकद वेतन न देकर जागीर के रूप में भूमि दी जाती थी। जिससे मनसबदार कर वसूलता था।

95. निम्नलिखित लेखकों में से किसे हुमायूँ ने 'अमीर-ए-अखबार' की उपाधि प्रदान की थी?
(a) मिर्जा हैदर (b) हसन निज़ामी
(c) ख्वांदामीर (d) रुस्तम अली

Ans. (c) : ख्वान्दमीर को हुमायूँ ने संरक्षण दिया था। ख्वान्दमीर ने कानून-ए- हुमायूंनी की रचना की। जिसे हुमायूँनामा भी कहा जाता है। इसमें हुमायूँ के शासन काल का वर्णन किया गया है। हुमायूँ ने उसे अमीर-ए-अख्बार की उपाधि प्रदान की थी।

96. निम्नलिखित शासकों में से किसने अपनी राजधानी में 'दान-का-लंगर' स्थापित कराया था?
(a) नासिरुद्दीन महमूद (b) शेरशाह
(c) अकबर (d) फिरोज तुगलक

Ans. (d) : फिरोजशाह तुगलक ने अपनी राजधानी में दान का लंगर स्थापित करवाया था। फिरोज तुगलक ने दीवान-ए-खैरात, दीवान-ए-बंदगान विभाग की स्थापना की थी। फिरोज तुगलक को सल्तनत कालीन अकबर कहा जाता है। फिरोज तुगलक ने ब्राह्मणों पर भी जजिया कर लगाया था।

97. दिल्ली का पहला सुल्तान कौन था जिसने 'गाज़ी' शब्द को अपने नाम के साथ जोड़ा?
(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) गियासुद्दीन तुगलक (d) फिरोज तुगलक

Ans. (c) : तुगलक वंश का संस्थापक गियासुद्दीन तुगलक था। जिसने गाजी मलिक नामक उपाधि से 1320 ई. में राजगद्दी पर बैठा। गयासुद्दीन तुगलक दिल्ली सल्तनत में सर्वप्रथम कृषि के लिए नहरों का निर्माण करवाया था।

98. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?
(a) पानीपत का द्वितीय युद्ध-1556 ई.
(b) फतेहपुर सीकरी में इबादत खाना की स्थापना 1574 ई.
(c) तीर्थयात्री कर का बन्द किया जाना-1563 ई.
(d) हल्दीघाटी का युद्ध-1576 ई.

Ans. (b) : फतेहपुर सीकरी में इबादत खाना की स्थापना अकबर के शासन काल में 1575 ई. में हुई थी। इबादत खाने में केवल इस्लाम धर्मोपदेशकों को ही आमन्त्रित किया जाता था। किन्तु अकबर इनके आचरण से दुःखी होकर 1578 ई. में सभी धर्मों के विद्वानों को आमन्त्रित किया। इसको अकबर ने धर्म संसद बना दिया।

99. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?
(a) हसन निज़ामी - खज़ाइन-उल-फुतूह
(b) इसामी - फुतूह-उल-सलातीन
(c) अमीर खुसरो - मिफ्ता-उल-फुतूह
(d) फ़िरोजशाह तुगलक - फुतूहात-ए- फिरोज़शाही

Ans. (a) : हसन निजामी इल्तुतमिश के शासन काल का महान विद्वान था। इनकी रचना ताजुल मासिर थी। खजाइन-उल-फुतूह (तारीख-ए-अलाई) अलाउद्दीन के समय की रचना है। इसका लेखक अमीर खुसरो था।

100. शेख बहाउद्दीन जकारिया सम्बन्धित थेः
(a) चिश्ती सिलसिला से (b) सुहरावर्दी सिलसिला से
(c) फिरदौसी सिलसिला से (d) नख्शबन्दी सिलसिला से

Adda247
GET IT ON Google Play

Ans. (b) : शेख बहाउद्दीन जकारिया सुहरावर्दी सिलसिला से सम्बन्धित थे। सुहरावर्दी सिलसिला के संस्थापक शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी थे। बहाउद्दीन जकारिया इन्हीं के शिष्य थे।

101. निम्नलिखित में से कौन मुगल काल की एक मात्र महिला मन्त्री थी?
(a) माहम अनगा
(b) कोकी अनगा
(c) जीजी अनगा
(d) सुल्तान बेगम

Ans. (a) : अकबर की धाय माँ माहम अनगा थी जो मुगलकाल की एक मात्र महिला मन्त्री थी। माहम अनगा ने 1560-62 ई. तक पर्दा शासन या पेटीकोट सरकार को चलाया था। इसने हुमायूँ के साथ मिलकर दिल्ली में मदरसा-ए-बेगम की स्थापना की थी।

102. निम्नलिखित में से कौन दिल्ली सल्तनत का अन्तिम वंश था?
(a) तुगलक वंश
(b) लोदी वंश
(c) सैय्यद वंश
(d) खिलजी वंश

Ans. (b) : दिल्ली सल्तनत का अन्तिम वंश लोदी वंश था। लोदी वंश के शासक इब्राहीम लोदी को बाबर ने 1526 ई. में हराकर मुगलवंश की स्थापना की थी। दिल्ली सल्तनत में गुलाम वंश, खिल्जी वंश, तुगलक वंश, सैय्यद वंश और अन्त में लोदी वंश ने शासन किया। सबसे अधिक वर्षों तक शासन करने वाला वंश तुगलक वंश था और सबसे कम वर्षों तक शासन करने वाला खिलजी वंश था।

103. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने 'दीवान-ए-कोही' की स्थापना की थी?
(a) मुहम्मद-बिन-तुगलक (b) फ़िरोज तुगलक
(c) गयासुद्दीन तुगलक (d) महमूद शाह

Ans. (a) : 'दीवान-ए-कोही' कृषि विभाग से सम्बन्धित था। इसकी स्थापना मुहम्मद बिन तुगलक ने किया था। इस विभाग का कार्य मालगुजारी व्यवस्था को ठीक प्रकार से चलाना और जिस भूमि पर खेती न हो रही हो उसे खेती योग्य बनाना था। इस विभाग के ऊपर विजारत का प्रत्यक्ष नियन्त्रण था।

104. 'अमल-ए-सालेह' का लेखक कौन था?
(a) मोहम्मद सालेह (b) अली सालेह
(c) फौज सालेह (d) अलीम सालेह

Ans. (a) : 'अमल-ए-सालेह' का लेखक मोहम्मद सालेह था। मोहम्मद सालेह शाहजहाँ के दरबार में रहता था। मोहम्मद सालेह ने शाहजहाँ के शासन प्रबन्ध और निर्माण विभाग का वर्णन किया हैं।

105. अलाउद्दीन खिलजी ने किस राजा को नवसारी की जागीर व राय रायान की उपाधि दी थी?
(a) गुजरात के कर्णबघेला
(b) चित्तौड़ के रतन सिंह
(c) मारवाड़ के शीतलदेव
(d) देवगिरि के रामचन्द्र देव

Ans. (d) : अलाउद्दीन खिलजी ने देवगिरि के रामचन्द्र देव को नवसारी की जागीर व राय रायान की उपाधि दी थी। अलाउद्दीन ने रामचन्द्र देव को एक लाख सोने के टंके दिये। मुसलमानों का दक्षिण भारत पर प्रथम आक्रमण जलालुद्दीन के समय देवगिरि के शासक रामचन्द्र पर हुआ।

106. 'नानकार' थाः
(a) करमुक्त भूमि (b) कर
(c) भूमि (d) ग्राम

Ans. (a) : नानकार एक प्रकार से करमुक्त भूमि थी। सैनिक एवं असैनिक अधिकारियों को विशेष सेवाओं के बदले जो भू-खण्ड दिये जाते थे ऐसी भूमि को अमरम् कहा जाता था। इसके प्राप्तकर्ता अमरनायक कहलाते थे। इस भू-धारण व्यवस्था को नानकार कहा जाता था। प्रारंभ में नानकार व्यवस्था केवल सेवा के शर्तों पर आधारित था। बाद में वंशानुगत हो गया।

107. निम्नलिखित में से किस भाषा में खारवेल का हाथी गुम्फालेख उत्कीर्ण है?
(a) प्राकृत
(b) पालि
(c) संस्कृत
(d) उपरिलिखित में कोई नहीं

Ans. (a) : खारवेल कलिंग के चेदि राजवंश का शक्तिशाली शासक था। खारवेल की उपलब्धियों का वर्णन उड़ीसा के पुरी जिले स्थित हाथीगुफा अभिलेख से प्राप्त होता है। यह अभिलेख प्राकृत भाषा में लिखा गया है। कलिंग में चेदि वंश की स्थापना खारवेल के पितामह ने की थी, अतः खारवेल का वंश महामेघवाहन वंश के नाम से जाना जाता है। हाथीगुफा अभिलेख की खोज बिशप स्टर्लिंग ने की थी।

108. अपने वाहन वृषभ के साथ शिव का मूर्त रुप में अंकन सर्वप्रथम सिक्कों पर मिलता हैः
(a) विम कडफिसेस (b) हुविष्क के
(c) रुद्रदामन के (d) शशांक के

Ans. (a) : विम कडफिसेस कुषाण वंश का शक्तिशाली शासक था। वह प्रथम कुषाण शासक था, जिसने स्वर्ण सिक्कों को चलवाया। उसके सिक्कों पर शिव, नन्दी तथा त्रिशूल की आकृतियाँ मिलती है।

109. निम्नलिखित में से किसकी पूजा हड़प्पा संस्कृति में नहीं होती थी?
(a) आद्यरुप शिव (b) मातृदेवी
(c) पीपल (d) विष्णु

Ans. (d) : हड़प्पा संस्कृति में विष्णु की पूजा नहीं होती थी। हड़प्पा संस्कृति के किसी भी स्थान से विष्णु की कोई भी प्रतिमा नही मिली है, या विष्णु से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त नही होती है। आद्यरूप शिव, मातृदेवी, पीपल और अन्य वनस्पतियों की पूजा होती थी।

110. हड़प्पन स्थल से पकी मिट्टी का पैमाना प्रतिवेदित है
(a) लोथल से
(b) कालीबंगा से
(c) धौलीवीरा से
(d) सुरकोटदा से

Adda247
GET IT ON Google Play

Ans. (b) : हड़प्पन स्थल से पकी मिट्टी का पैमाना कालीबंगा से प्राप्त हुए हैं। कालीबंगा के पूर्वी टीले की योजना मोहनजोदड़ों की योजना से मिलती जुलती है। कालीबंगा से प्राक हड़प्पा कालीन संस्कृतियों के अवशेष मिले हैं। कालीबंगा से जुते हुए खेत मिले हैं जिसमें एक साथ दो फसलों को बोए जाने का प्रमाण मिला है।

111. 'मद्रास हिन्दू एसोसिएशन' के संस्थापक कौन थे?
(a) श्री अरबिन्दो घोष
(b) एनी बेसेण्ट
(c) के. वी. आयंगर
(d) टी. पी. वरियार

Ans. (b) : 'मद्रास हिन्दू एसोसिएशन' की संस्थापक एनी बेसेन्ट थी। इसकी स्थापना 1904 में हुयी। एनी बेसेन्ट भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष भी थी। एनी बेसेन्ट ने तिलक की मदद से भारत में होमरूल लीग आन्दोलन की शुरूआत की थी। भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस और मुस्लिम लीग को एक साथ लाये जाने में इसका सबसे बड़ा योगदान था।

112. बंगाल विभाजन के दिन को राखी दिवस के रुप में मनाने का आवाहन किसने किया था?
(a) रवीन्द्र नाथ टैगोर (b) सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
(c) अब्दुल रसूल (d) आनन्द मोहन बोस

Ans. (a) : बंगाल का विभाजन 16 अक्टूबर 1905 ई. को हुआ था। रवीन्द्र नाथ टैगोर ने इस दिन को राखी दिवस के रूप में लोगों से मानने का आहवान किया। रवीन्द्र नाथ टैगोर ने अपना प्रसिद्ध गीत 'आमार सोनार बांग्ला' लिखा। यह गीत अब भी बांग्लादेश का राष्ट्रगान है। इस विभाजन के विरोध में स्वदेशी एवं बहिष्कार आन्दोलन का जन्म हुआ।

113. 15 अगस्त 1947 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष कौन था?
(a) जवाहरलाल नेहरू (b) जे. बी. कृपलानी
(c) राजेन्द्र प्रसाद (d) अबुल कलाम आजाद

Ans. (b) : 15 अगस्त 1947 ई. को आजादी के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष जे. बी. कृपलानी थे। जे. बी. कृपलानी 23 नवंबर 1946 ई. के मेरठ अधिवेशन में अध्यक्ष बने और नवंबर 1947 ई. तक अध्यक्ष बने रहे। जे. बी. कृपलानी एक शिक्षक भी थे।

114. 'अनहैप्पी इण्डिया' पुस्तक के लेखक हैः
(a) बालगंगाधर तिलक
(b) बिपिन चन्द्र पाल
(c) लाला लाजपत राय
(d) सुभाष चन्द्र बोस

Ans. (c) : 'अनहैप्पी इण्डिया' नामक पुस्तक के लेखक लाला लाजपत राय थे। लाला लाजपत राय 1920 ई. में कांग्रेस के कलकत्ता के विशेष अधिवेशन की अध्यक्षता की थी। सुभाष चन्द्र की पुस्तक का नाम इण्डियन स्ट्रगल था। बाल गंगाधर की पुस्तक का नाम गीता रहस्य है।

115. निम्न में से कौन भारत में प्रथमतः मुद्रणालय लाने वाले थे?
(a) नीदरलैण्ड वासी (b) ब्रिटेनवासी
(c) पुर्तगाली (d) फ्रान्सीसी

Ans. (c) : भारत में प्रथम बार मुद्रणालय लाने वाले पुर्तगाली थे। प्रथम पुर्तगाली यात्री वास्को डि गामा 1498 ई. में भारत के कालीकट के तट पर पहुँचा था। उसके बाद भारत आने वाले डच थे। इसके बाद ब्रिटिश व्यापार के लिए भारत आए थे।

116. खुदाई खिदमदगारों का नेता कौन था?
(a) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(b) नवाब सलीमुल्ला
(c) अब्दुल गफ्फार खाँ
(d) नवाबवकर उलमुल्क

Ans. (c) : खुदाई खिदमदगारों का नेता खान अब्दुल गफ्फार खाँ थे। इन्होंने भारत के पश्चिमोत्तर भारत में लाल कुर्ती आन्दोलन चलाया। ये लोग अपने साथ एक लाल रंग का कपड़ा अपने पास रखते थे। इनको सीमांत गाँधी भी कहा जाता है।

117. सर माइकल ओ डायर को किसने मारा था?
(a) सरदार भगत सिंह
(b) बटुकेश्वर दत्त
(c) रास बिहारी बोस
(d) सरदार ऊधम सिंह

Ans. (d) : सर माइकल ओ डायर पंजाब राज्य का लेफ्टिनेंट गवर्नर था। 13 अप्रैल 1919 ई. की जालियाँवाला बाग हत्याकाण्ड इसी के काल की घटना थी। माइकल ओ डायर जो कि अमृसर शहर का जनरल का इसने निहत्थे सभा पर गोली चलवा दी थी। ऊधम सिंह ने 1940 में लंदन जाकर सर माइकल ओ डायर को गोली मार दी थी।

118. कूका आन्दोलन के सन्दर्भ में निम्न में से किसे काले पानी की सजा सुनाई गई?
(a) बाबा गुरु रामदास सिंह
(b) बाबा गुरु राम सिंह
(c) नौनिहाल सिंह
(d) बाबा गुरु रामदास

Ans. (b) : कूका आन्दोलन का प्रमुख नेता बाबा गुरू रामसिंह थे इनको अंग्रेजो ने काले पानी की सजा सुनाई थी। रामसिंह को सिक्खों के 10 वे गुरू गोविंद सिंह का अवतार माना जाता है। इनको 1872 ई. में काले पानी की सजा हुई और 1885 ई. में इनकी मृत्यु हो गयी।

119. सर्वप्रथम किसने सुझाव दिया कि संस्कृत, लैटिन तथा ग्रीक एक ही भाषा परिवार से सम्बन्धित हैं?
(a) चार्ल्स विलकिन्स (b) वी. ए. स्मिथ
(c) एफ. मैक्समूलर (d) सर विलियम जोन्स

Ans. (d) : सर विलियम जोन्स ने सर्वप्रथम यह सुझाव दिया कि संस्कृत लैटिन तथा ग्रीक एक ही भाषा परिवार से सम्बन्धित है।

120. समाचार पत्र 'इण्डियन मिरर' के सम्पादक थेः
(a) बाल गंगाधर तिलक (b) सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
(c) दादाभाई नौराजी (d) केशवचंद्र सेन

Ans. (d) : समाचार पत्र इंडियन मिरर 1861 में कोलकाता से प्रकाशित होना शुरू हुआ। इसके संस्थापक मनमोहन घोष एवं देवेन्द्र नाथ ठाकुर थे। इसके सम्पादकीय विभाग से केशवचंद्र सेन एवं नरेन्द्र नाथ सेन सम्बन्धित है।